QP – 057

III Semester B.A./B.S.W. Examination, March/April 2022
(CBCS) (2019 – 20 and Onwards) (F+R)
LANGUAGE HINDI
Paper – III : Natak, Sahityakaron Ka Parichay Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द अथवा **एक** वाक्य में लिखिए । **(10×1=10)**

1) सिविल सप्लाइज के अंतर्गत राजीव किस पद पर कार्यरत था ?

2) कमला कहाँ की रहनेवाली थी ?

3) भ्रष्टाचार का केस किस पर चल रहा था ?

4) जुगलकिशोर के पिता किसके मित्र थे ?

5) हेमंत के कल्पित सेक्रेटरी का नाम क्या था ?

6) जेहलम से दिल्ली के लिए मालगाड़ी के डिब्बे किसने बुक किए थे ?

7) देश विभाजन के बाद किसका परिवार कलकत्ता में आश्रय लिया था ?

8) डॉ. धर्मवीर की बेटी का नाम लिखिए ।

9) किस स्टेशन पर हेमंत का माल उतारा गया था ?

10) ''न्याय की रात'' नाटक के लेखक कौन है ?

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । **(2×7=14)**

1) भई हम तो यह मानते हैं कि आज की दुनिया में जो आदमी दोस्तों का साथ नहीं दे सकता वह सबसे बडा पाजी है ।

2) मैं तो आपका भला चाहता हूँ साहब । हमारी कंपनी अगर जाँच कमीशन की मुसीबत से बच गई तो मैं कम से कम एक लाख रुपया आपको दूँगा ।

3) मनुष्य के जीवन की सबसे बडी ट्रेजेडी यही है कि वह खुद अपना सबसे बडा दुश्मन है ।

P.T.O.

III. ''न्याय की रात'' नाटक का सारांश लिखते हुए नाटक में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए । **(1×16=16)**

अथवा

''न्याय की रात'' नाटक के आधर पर हेमंत का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

IV. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए । **(2×5=10)**

1) मुंशी देवराज ।

2) राजीव ।

3) जुगलकिशोर ।

V. निम्नलिखित में से किसी **एक** साहित्यकार का परिचय लिखिए । **(1×10=10)**

1) प्रेमचन्द ।

2) मीराबाई ।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए । **(1×10=10)**

लोग कहते हैं कि मेरा जीवन नाशवान है । मुझे एक बार पढ़कर फेंक देते हैं, 'पानी बुदबुदा अस अखवार की जात । पढ़ते ही छिप जाएगा ज्यों तारा प्रभात' पर मुझे अपने इस जीवन पर भी गर्व है । मरकर भी मैं दूसरों के काम आता हूँ । मेरे प्रेमी शरीर को फाइल में कम से कम संभालकर रखते हैं । कई लोग मेरे उपयोग अंगों को काटकर रख लेते हैं । मैं रद्दी बनकर भी अपने ग्राहकों की कीमत का तीसरा भाग अवश्य लौटा देता हूँ । इस तरह मकान उपकारी होने के कारण मैं दूसरे दिन ही नया जीवन पाता हूँ । सज-धज के आता हूँ । सबके मन में समा जाता हूँ । तुमको भी ईर्ष्या होने लगी है न, मेरे जीवन से भाई ! ईर्ष्या नहीं स्पर्धा करो । मेरी तरह उपकारी बनों तुम भी सबकी आँखों के तारे बन जाओगे ।